THE APPROPRIATION (RAILWAYS) NO.5 BILL. 2002
AND
GOVERNMENT RESOLUTION - RECOMMENDATIONS OF RAILWAY CONVENTION COMMITTEE

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): Madam f move:-

> That the Bill to authorize payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 2002-2003 for the purposes of Railways, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration."

Madam, I also move:-

> "That this House approves the recommendations contained in Paragraphs 54, 55, 59, 60, 61, 64 and 65 of the Fifth Report of the Railways Convention Committee (1999) appointed to review the rate of dividend payable by the Railway Undertaking to General Revenues etc., which was laid on the Table of the Rajya Sabha on 13.3.2002."

The questions were proposed.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Discussion on these will take place tomorrow, and, after that, we will take them into consideration.

प्रो. रामबक्श सिंह वर्मा(उत्तर प्रदेश): मैडम, मंत्री जी द्वारा मूव किया गया यह बिल मात्र 25 हजार रुपए का मामला है, इसलिए अगर इसे बिना चर्चा के पास कर दिया जाए, तो उचित होगा।

THE DEPUTY CHAIRMAN: If the House agrees, we can pass it now.

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal) : Madam, there will be no problem. The Bill has to be passed, and the Railway Convention Committee Resolution has also to be passed. But, before that, we must first discuss it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, we have clarifications on the Statement by Shri I.D. Swami. Does the House want to have clarifications now?

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Madam, I think we can finish it now. As the Minister is here; he has been waiting here for quite some time now. So, we can dispose it of.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There are so many speakers who want to seek clarifications. Mr. Sangh Priya Gautam.

CLARIFICATIONS ON THE STATEMENT BY MINISTER

Atrocities Against Dalits in Haryana, Bihar and Other Parts of The Country

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तरांचल): उपसभापति महोदया, माननीय मंत्री जी के प्रति मेरी बडी श्रद्धा है। वह एक शरीफ़, ईमानदार और भले आदमी हैं,....(व्यावधान)... लेकिन मैं कुछ बातें उन के ध्यान में जरुर लाना चाहूंगा।

उपसभापति महोदया, इस सदन में हम अनेक वर्षों से महिलाओं, बच्चों , दलितों और अल्पसंख्यकों के प्रति जुल्म-ज्यादती के बारे में हमेशा चर्चा करते रहे हैं। चाहे ऎसी घटनाएं देश के किसी भी कोने में घटित हों, हम ने उन्हें कभी राज्य का विषय नहीं माना है।

[THE VICE CHAIRMAN (SHRI SANTOSH BAGRODIA) in the Chair]

इसलिए मंत्री जी से एक बात तो मैं यह कहूँगा कि वह इसे राज्य का विषय बताकर टालने की कोशिश न करें। दूसरी बात, यह कि मंत्री जी यह जो आपका वक्तव्य है, यह आप की निजी जानकारी के ऊपर आधारित नहीं है। आप ने यह कहा है कि facts of the case as reported by Government of Haryana. तो जो हरियाणा सरकार ने आपको बताया, वही वक्तव्य आपने यहां माननीय सदन में दे दिया। चूंकि आपने इसमें स्वयं कोई जानकारी नहीं की, इसलिए मैं इस वक्तव्य को आपकी जानकारी के आधार पर वक्तव्य नहीं मानता। एक बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि यह घटना 15 अक्तूबर की थी और आपका यह वक्तव्य करीब दो महीने के बाद आया और इस दौरान बहुत से शिकवे- शिकायते, बहुत सी वारदात हुई। लोग माननीय गृह मंत्री जी से भी मिले। उनका भी वक्तव्य आया। हरियाणा मे इस घटना के बाद अनेक लोगों ने अनेक संस्थानों के नाम पर पंचायतें की, मीटिंग की, सरकार के ऊपर दबाव डाला, पुलिस के ऊपर दबाव डाला, थ्रेटन किया कि अपराधियों के खिलाफ़ कोई कार्रवाई नहीं होनी चाहिए क्योंकि जो दलित मारे गए हैं यह सही मारे गए हैं। तो पहला मेरा आपसे यह सवाल है कि इन दो महीने के अंतराल में इतनी बातें उत्तेजक हो जाने के बाद, माननीय गृह मंत्री जी से शिष्ट मंडल मिलने के बाद, उनके द्वारा वक्तव्य देने के बाद आपने अपनी एजेन्सी से स्वयं इसकी जानकारी क्यों नहीं की? और, यदि की है तो उसका विवरण क्या है?

मान्यवर, दूसरा सवाल मेरा यह है, जो मैं आपके वक्तव्य से बिल्कुल सिद्ध करुंगा, जिसमें आपने अंत मे कहा है, it should not be treated as a deliberate atrocity committed on the members of the Scheduled Caste. It appears that the incident took place because of the mistaken impression that a cow slaughter was being committed openly."

आपका यह वक्तव्य सही नहीं है, जो स्वयं आपके इस स्टेटमेंट से जाहिर होता है। आप अपने वक्तव्य का दूसरा पैरा देख लीजिए, जिसमें कहा है- "About 50-6O persons gathered there and gave severe beating to all the five deceased persons.